PUNYASHLOK AHILYADEVI HOLKAR SOLAPUR UNIVERSITY,SOLAPUR

पुण्यश्लोक अहिल्यादेवी होळकर सोलापुर विश्वविद्यालय,सोलापुर

M.A. I Year Hindi Semester I

एम. ए. प्रथम वर्ष हिंदी सत्र प्रथम

Choice Based Credit System

2020–21

सी.बी.सी.एस.प्रणाली के अनुसार

(For Colleges - महाविद्यालयों हेतु)

समन्वयक–प्रो.डॉ.सौ.सुरैय्या शेख
अध्यक्ष–हिंदी अध्ययन मंडल,
पुअहो सोलापुर विश्वविद्यालय,सोलापुर

Semester	Code	Title of the Paper	Semester Exam			L	T	P	Total Credits
			Theory	IA	Total				
First									
Subject		**Hard Core Compulsory Paper**							
HCT	1.1	आधुनिक हिंदी गद्य साहित्य	80	20	100	4	1	0	5
HCT	1.2	भाषा विज्ञान	80	20	100	4	1	0	5
HCT	1.3	प्रयोजनमूलक हिंदी	80	20	100	4	1	0	5
	DSE	**DSE (Discipline Specifice Eliective) A (Any One) Optional**							
SCT	1.1	साहित्यिक वर्ग विशेष रचनाकार : कबीर	80	20	100	4	1	0	5
SCT	1.2	व्यावसायिक वर्ग : पत्रकारिता	80	20	100	4	1	0	5
		Soft Core B (Any One) Optional							
SCT	1.1	हिंदी भाषा शिक्षण	80	20	100	4	1	0	5
SCT	1.2	अनुवाद	80	20	100	4	1	0	5
		Total	**400**	**100**	**500**	**20**	**05**	**00**	**25**

PUNYASHLOK AHILYADEVI HOLKAR SOLAPUR UNIVERSITY,SOLAPUR

पुण्यश्लोक अहिल्यादेवी होळकर सोलापुर विश्वविद्यालय,सोलापुर

Name of faculty : Humanities

मानव्यविद्या (मानविकी) शाखा

CBCS Syllabus

Name of the course : M.A- I Hindi Semester I

एम.ए.भाग 1 हिंदी प्रथम सत्र

Hard Core Compulsory Paper

HCT 1.1 Adhunik Hindi Gadya Sahitya

प्रश्नपत्र का नाम : आधुनिक हिंदी गद्य साहित्य

With effect form June 2020-21

जून 2020–21 से आरंभ

परिचय /Introduction

आधुनिक काल में गद्य साहित्य को अभूतपूर्व सफलता मिली है। यह मानव मन और मस्तिष्क की अभिव्यक्ति का सशक्त एवं अनिवार्य माध्यम बन गया है। मनुष्य के राग–विराग, तर्क–वितर्क तथा चिंतन–मनन जिस रागात्मकता के साथ कौशल पूर्ण ढंग से गद्य में अभिव्यक्ति होता है, वैसा अन्य साहित्य विधा में नहीं। आधुनिक काल में गद्य के विविध रूपों का विकास इसका साक्षी है कि प्रौढ़ मन, मस्तिष्क की पूर्ण अभिव्यक्ति गद्य में ही संभव है। निबंध गद्य का प्रौढ़, शक्तिशाली प्रतिरूप, उसकी व्यक्ति एवं स्वतंत्र चेतना का विश्वसनीय प्रतिनिधि है। नाटक, उपन्यास, कहानी तथा अन्य विविध विधाओं के रूप में गद्य साहित्य व्यापक बन गया है। आज मनुष्य को उसकी प्रकृति, परिवेश, परिस्थिति तथा चिंतन के विकास के साथ सहज प्रामाणिक रूप में गद्य के माध्यम से ही जाना जा सकता है। अतः इसका अध्ययन अनिवार्य है।

पाठ्यक्रम के उद्देश्य /Course objectve

1. हिंदी गद्य साहित्य से छात्रों को परिचित कराना।
2. हिंदी गद्य साहित्य की विविध विधाओं का अध्ययन कराना।
3. छात्रों में हिंदी गद्य विधा से रूचि पैदा कराना।
4. तत्कालीन भारतीय सामाजिक, राजनीतिक, सांस्कृतिक परिवेश से रू–बरू कराना।

पाठ्यक्रम सीखने के परिणाम /Course Learning Outcomes

1. हिंदी गद्य साहित्य से छात्र परिचित होते हैं।
2. हिंदी गद्य साहित्य की विविध विधाओं का अध्ययन करते हैं।
3. छात्रों में हिंदी गद्य विधा से रूचि पैदा होती है।
4. तत्कालीन भारतीय सामाजिक, राजनीतिक, सांस्कृतिक परिवेश से परिचय होता है।

शिक्षण अधिगम प्रक्रिया /Teaching Learning Process

1. कक्षा व्याख्यान
2. सामूहिक चर्चा

Name of the Course M.A. I Hindi Semester I

एम.ए.भाग 1 हिंदी प्रथम सत्र

CBCS Pattern Paper No. HCT 1.1 प्रश्नपत्र कमांक 1.1

Adhunik Hindi Gadya Sahitya

प्रश्नपत्र का नाम : आधुनिक हिंदी गद्य साहित्य

(Credit Theory 4 Practical 0)

Total Theory Lecture 60

अंक 100 (80 UA 20 CA)

पाठ्यपुस्तक :

1. हिंदी की प्रतिनिधि कहानियाँ–संपा. डॉ. कृष्णा रैणा, वाणी प्रकाशन, नई दिल्ली

अध्यनार्थ विषय

इकाई I **Credit-1 Lecture-15**

कहानी विधा एवं कहानियॉ

1. कहानी साहित्य : उद्‌भव और विकास
2. कहानी साहित्य के तत्त्व
3. उसने कहा था –चंद्रधर शर्मा गुलेरी
4. पूस की रात –प्रेमचंद
5. पुरस्कार –जयशंकर प्रसाद
6. नारंगियाँ –अज्ञेय

इकाई II

कहानियॉ **Credit-1 Lecture-15**

7. करवा का व्रत –यशपाल
8. मलबे का मालिक –मोहन राकेश
9. ऊपर उठता हुआ मकान –कमलेश्वर
10. अकेली –मन्नू भंडारी
11. वापसी –उषा प्रियम्वदा

पाठ्यपुस्तक :

2. होरी (नाटक)–विष्णु प्रभाकर, राजकमल प्रकाशन, नई दिल्ली

इकाई III **Credit-1 Lecture-15**

नाटककार विष्णु प्रभाकर एवं 'होरी' नाटक

1. विष्णु प्रभाकर : जीवन परिचय
2. विष्णु प्रभाकर : साहित्य परिचय
3. नाटक का कथानक
4. नाटक के पात्र एवं चरित्र चित्रण

इकाई IV **Credit-1 Lecture-15**

'होरी' नाटक का अध्ययन

5. नाटक के संवाद
6. नाटक में अभिनेयता एवं रंगमंच
7. नाटक की भाषाशैली
8. नाटक का उद्देश्य

Equivalent Subject for Old Syllabus

Sr. No.	Name of the Old Paper	Name of the New Paper
1	आधुनिक गद्य साहित्य	आधुनिक हिंदी गद्य साहित्य

संदर्भ ग्रंथ :

1. हिंदी कहानी का इतिहास –डॉ.राय गोपाल, राजकमल प्रकाशन, नई दिल्ली
2. नई कहानी संदर्भ और प्रकृति–डॉ.देवीशंकर अवस्थी, राजकमल प्रकाशन, नई दिल्ली
3. एक हिंदी कहानी : परम्परा और प्रगति–डॉ.हरदयाल, वाणी प्रकाशन, नई दिल्ली
4. आधुनिक हिंदी कहानी–डॉ.लक्ष्मीनारायण लाल, वाणी प्रकाशन, नई दिल्ली
5. समकालीन हिंदी कहानी–डॉ.पुष्पपाल सिंह, हरियाणा साहित्य अकादमी, चंड़ीगढ
6. समकालीन हिंदी कहानी–डॉ.कमला प्रसाद, हरियाणा साहित्य अकादमी, चंड़ीगढ
7. स्वातंत्र्योत्तर हिंदी नाटक–डॉ.देवीदास इंगले
8. हिंदी नाटक–डॉ.बच्चन सिंह, राधाकृष्ण प्रकाशन, नई दिल्ली
9. समकालीन हिंदी नाटक में संघर्ष चेतना–डॉ.गिरीश रस्तोगी, हरियाणा साहित्य अकादमी, चंड़ीगढ
10. हिंदी नाटक कोश–डॉ.दशरथ ओझा, नेशनल प्रकाशन, नई दिल्ली

PUNYASHLOK AHILYADEVI HOLKAR SOLAPUR UNIVERSITY,SOLAPUR

पुण्यश्लोक अहिल्यादेवी होळकर सोलापुर विश्वविद्यालय,सोलापुर

Name of faculty : Humanities

मानव्यविद्या (मानविकी) शाखा

CBCS Syllabus

Name of the course : M.A- I Hindi Semester I

एम.ए.भाग 1 हिंदी प्रथम सत्र

Hard Core Compulsory Paper

HCT 1.2 Bhasha Vidnyan

प्रश्नपत्र का नाम : भाषा विज्ञान

With effect form June 2020-21

जून 2020–21 से आरंभ

परिचय /Introduction

भाषा मनुष्य को प्राप्त सबसे बड़ी देन है। भाषा के कारण ही मनुष्य अन्य प्राणियों से अलग अस्तित्व रखता है। भाषा की अपनी विशिष्ट रचना होती है। जिसमें हर स्वन से लेकर वाक्य तक और उस वाक्य के अर्थ तक एकसूत्रता होती है। अर्थात् इसमें एक शास्त्र छूपा होता है। इसके लिए उसमें वैज्ञानिकता होती है। प्रस्तुत पाठ्यक्रम में भाषा की उत्पत्ति, उसकी वैज्ञानिकता से लेकर स्वन, रूप, वाक्य एवं अर्थ तक की संरचना का अध्ययन किया जाएगा।

पाठ्यक्रम के उद्देश्य /Course objectve

1. भाषा और भाषा विज्ञान के संदर्भ में जानकारी देना।
2. रूप विज्ञान से परिचित कराना।
3. वाक्य निर्मिति प्रक्रिया से अवगत कराना।
4. अर्थ विज्ञान को समझाना।

पाठ्यक्रम सीखने के परिणाम /Course Learning Outcomes

1. भाषा और भाषा विज्ञान के संदर्भ में जानकारी प्राप्त होती है।
2. रूप विज्ञान से परिचय होता हैं।
3. वाक्य निर्मिति प्रक्रिया जान सकते हैं।
4. अर्थ विज्ञान को समझ सकते हैं।

शिक्षण अधिगम प्रक्रिया /Teaching Learning Process

1. कक्षा व्याख्यान
2. सामूहिक चर्चा
3. भाषा लैब में प्रात्यक्षिक

Name of the Course M.A. I Hindi Semester I

एम.ए.भाग 1 हिंदी प्रथम सत्र

CBCS Pattern Paper No. HCT 1.2 प्रश्नपत्र कमांक 1.2

Basha Vidnyan

प्रश्नपत्र का नाम : भाषा विज्ञान

(Credit Theory 4 Practical 0)

Total Theory Lecture 60

अंक 100 (80 UA 20 CA)

अध्यनार्थ विषय

इकाई I **Credit-1 Lecture 15**

भाषा विज्ञान

1. भाषा की परिभाषा, अभिलक्षण, भाषा संरचना और उसके स्तर, भाषा–व्यवस्था और भाषा–व्यवहार
2. भाषा विज्ञान – परिभाषा, स्वरूप एवं व्याप्ति
3. अध्ययन की दिशाएँ–वर्णनात्मक, ऐतिहासिक और तुलनात्मक
4. स्वन–विज्ञान : स्वन विज्ञान का स्वरूप और शाखाएँ, स्वन की परिभाषा, स्वर एवं व्यंजनों का वर्गीकरण (स्वनों का वर्गीकरण)

इकाई II **Credit-1 Lecture 15**

रूप विज्ञान

1. रूप विज्ञान की परिभाषा एवं स्वरूप, शब्द और पद
2. रूपिम की अवधारणा एवं उसकी विशेषताएँ
3. रूपिम के भेद : (अ) संरचना की दृष्टि से – मुक्त , आबध्द, संपृक्त
   (आ) अर्थ की दृष्टि से – अर्थदर्शी और संबंधदर्शी

इकाई III **Credit-1 Lecture 15**

वाक्य विज्ञान

1. वाक्य की परिभाषा एवं स्वरूप
2. वाक्यार्थ बोध की प्रक्रिया : (अ) अभिहितान्वय वाद
   (आ) अन्विताभिधान वाद
3. वाक्य रचना के आधार – चयन, पदक्रम, अध्याहार
4. वाक्य के भेद

इकाई IV **Credit-1 Lecture 15**

अर्थ विज्ञान

1. अर्थ विज्ञान की परिभाषा एवं स्वरूप
2. अर्थबोध (संकेत ग्रह) के साधन – भारतीय एवं पाश्चात्य विचारकों के मतानुसार
3. अर्थ परिवर्तन की दिशाएँ
4. अर्थ परिवर्तन के कारण

Equivalent Subject for Old Syllabus

Sr. No.	Name of the Old Paper	Name of the New Paper
1	भाषा विज्ञान	भाषा विज्ञान

संदर्भ ग्रंथ :

1. भाषा विज्ञान–डॉ.भोलानाथ तिवारी, किताब महल, इलाहाबाद
2. भाषा विज्ञान–डॉ.नेमीचंद श्रीमाल, श्रुति प्रकाशन, कानपुर
3. आधुनिक भाषा विज्ञान के सिध्दांत–डॉ.रामकिशोर, लोकभारती प्रकाशन, इलाहाबाद
4. अद्यतन भाषा विज्ञान–डॉ.शशिभूषण पाण्डेय, लोकभारती प्रकाशन, इलाहाबाद
5. भाषा विज्ञान–डॉ.अंबादास देशमुख, आरती प्रकाशन, औरंगाबाद
6. भाषा विज्ञान परिभाषा कोश, शब्दावली आयोग, नई दिल्ली

PUNYASHLOK AHILYADEVI HOLKAR SOLAPUR UNIVERSITY,SOLAPUR

पुण्यश्लोक अहिल्यादेवी होळकर सोलापुर विश्वविद्यालय,सोलापुर

Name of faculty : Humanities

मानव्यविद्या (मानविकी)शाखा

CBCS Syllabus

Name of the course : M.A- I Hindi Semester I

एम.ए.भाग 1 हिंदी प्रथम सत्र

Hard Core Compulsory Paper

HCT 1.3 Prayojanmulak Hindi

प्रश्नपत्र का नाम : प्रयोजनमूलक हिंदी

With effect form June 2020-21

जून 2020–21 से आरंभ

परिचय /Introduction

प्रयोजनमूलक हिंदी अर्थात् कामकाजी हिंदी जिसे व्यावहारिक हिंदी भी कहते हैं। इसका उपयोग कार्यालय में कामकाज के लिए होता है। भारत में राजभाषा के रूप हिंदी भाषा को स्थान दिया गया है। जिसके अन्तर्गत केंद्र सरकार के सभी कार्यालयों में कामकाज करने का प्रावधान है। अतः मातृभाषा, राजभाषा, संपर्क भाषा, संचार भाषा को समझाते हुए राजभाषा की संवैधानिक स्थिति तथा कामकाजी हिंदी एवं उसके लिए प्रयुक्त पारिभाषिक स्थिति का अध्ययन किया जाएगा।

पाठ्यक्रम के उद्देश्य /Course objectve

1. कामकाजी हिंदी से परिचित कराना।
2. भाषा के विभिन्न रूपों से परिचित कराना।
3. राजभाषा की संविधानिक स्थिति से अवगत कराना।
4. कार्यालय में प्रयुक्त हिंदी से अवगत कराना।
5. पारिभाषिक शब्दावली से परिचित कराना।

पाठ्यक्रम सीखने के परिणाम /Course Learning Outcomes

1. कामकाजी हिंदी से परिचित हो जाते हैं।
2. भाषा के विभिन्न रूपों से परिचित होते हैं।
3. राजभाषा की संविधानिक स्थिति से परिचित होते हैं।
4. कार्यालय में प्रयुक्त हिंदी से अवगत होते हैं।
5. पारिभाषिक शब्दावली से परिचित होते हैं।

शिक्षण अधिगम प्रक्रिया /Teaching Learning Process

1. कक्षा व्याख्यान
2. सामूहिक चर्चा

Name of the Course M.A. I Hindi Semester I

एम.ए.भाग 1 हिंदी प्रथम सत्र

CBCS Pattern Paper No. HCT 1.3 प्रश्नपत्र कमांक 1.3

Prayojanmulak Hindi

प्रश्नपत्र का नाम : प्रयोजनमूलक हिंदी

(Credit Theory 4 Practical 0)

Total Theory Lecture 60

अंक 100 (80 UA 20 CA)

अध्यनार्थ विषय

इकाई I **Credit-1 Lecture 15**

कामकाजी हिंदी का स्वरूप

1. हिंदी के विभिन्न रूप – 1. मातृभाषा 2. राजभाषा 3. संपर्क भाषा 4. संचार भाषा 5. सर्जनात्मक भाषा
2. विश्वभाषा के रूप में हिंदी का अध्ययन।

इकाई II **Credit-1 Lecture 15**

राजभाषा विषयक संविधानिक प्रावधान :

1. राजभाषा अधिनियम (अनुच्छेद 343 से 351 तक) 2. राष्ट्रपति के आदेश (1952,1955,1960) 3. राजभाषा अधिनियम 1963. (यथा संशोधित 1967) 4. राजभाषा संकल्प (1968) (यथानुमोदित 1991) 5. राजभाषा नियम 1976
द्विभाषा नीति और त्रिभाषा सूत्र। 6. हिंदीतर राज्यों के प्रशासनिक क्षेत्रों में हिंदी की स्थिति। 7. अंतरराष्ट्रीय स्तर पर हिंदी, हिंदी के प्रचार–प्रसार में विभिन्न हिंदी संस्थाओं की भूमिका।

इकाई III **Credit-1 Lecture 15**

कार्यालयीन हिंदी (राजभाषा) के प्रमुख कार्य

1. प्रारूपण : प्रारूपण का अर्थ परिभाषा एवं महत्त्व
प्रारूपण की विधि, प्रारूपण के अंग, अच्छे प्रारूपण की विशेषताएँ

2. टिप्पण (टिप्पणी) :

अर्थ एवं परिभाषाएँ

टिप्पण के प्रकार, टिप्पण की विशेषताएँ

3. संक्षेपण :

अर्थ, परिभाषा एवं स्वरूप

संक्षेपण की आवश्यकता, संक्षेपण विधि, सफल संक्षेपण के गुण,

संक्षेपण के प्रकार

4. विज्ञापन :

विज्ञापन – अर्थ, परिभाषा एवं स्वरूप

विज्ञापन लेखन, विज्ञापन अनुवाद

इकाई IV **Credit-1 Lecture 15**

पारिभाषिक शब्दावली :

1. परिभाषा, स्वरूप एवं महत्त्व
2. ज्ञान – विज्ञान के विभिन्न क्षेत्रों की पारिभाषिक शब्दावली तथा वाक्यांश का अध्ययन (परिशिष्ट में निर्धारित)

Equivalent Subject for Old Syllabus

Sr. No.	Name of the Old Paper	Name of the New Paper
1	प्रयोजनमूलक हिंदी	प्रयोजनमूलक हिंदी

संदर्भ ग्रंथ :

1. प्रयोजनमूलक हिंदी–सं.डॉ.रवींद्रनाथ श्रीवास्तव, केन्द्रीय हिंदी संस्थान आगरा
2. प्रयोजनमूलक हिंदी सिध्दांत और प्रयोग–डॉ.दंगल झाल्टे, वाणी प्रकाशन, नई दिल्ली
3. प्रयोजनमूलक हिंदी की नई भूमिका–कैलाशनाथ पाण्डेय, लोकभारती प्रकाशन, दिल्ली
4. प्रयोजनमूलक हिंदी–विनोद गोदरे, वाणी प्रकाशन, दिल्ली

परिशिष्ट

ज्ञान–विज्ञान के विभिन्न क्षेत्रों की शब्दावली और वाक्यांश

अ) ज्ञान के विभिन्न क्षेत्रों की शब्दावली

1	Abbreviation	संक्षेप / संक्षेपण
2	Abstract	1. सार, 2. संक्षिप्ति (विधि)
3	Advance	अग्रिम
4	Advertisement	विज्ञापन
5	Academy	अकादमी
6	Accuse	अभियोग लगाना
7	Acquire	अर्जन करना
8	Admission	1.अभिस्वीकृति, 2. प्रवेश / दाखिला
9	Animal Husbandry	पशुपालन
10	Archaeology	1.पुरातत्त्व, 2.पुरातत्त्व विज्ञान
11	Associate Member	स्ह–सदस्य
12	At Random	यादृच्छिक
13	Backward Classes	पिछडे वर्ग
14	Ballot	1.मतपत्र / मतपर्ची, 2.मतदान
15	Balance Sheet	तुलना पत्र
16	Barter	वस्तु विनिमय
17	Bibliography	संदर्भ–ग्रंथ सूची
18	By-law	उपविधि
19	Calculation	गणना / गिनति / परिकलन
20	Cash	रोकड / नगदी / नकदी
21	Catalogue	सूची पत्र
22	Corporation	निगम
23	Cost	लागत
24	Customs	सीमाशुल्क
25	Demand Letter	माँग पत्र
26	Deduction	कटौती / घटाना
27	Department of Rehabilitation	पुनर्वास विभाग
28	Destination	गंतव्य / लक्ष्य

29	Dignity	गौरव / मर्यादा / गरिमा
30	Directorate General	महानिदेशक
31	Dividend	लाभांश
32	Division Bench	खंड (न्याय) पीठ
33	Duration	अवधि
34	Efficiency	दक्षता / कार्यपटुता
35	Endorsement	पृष्ठांकन
36	Estates Duty Officer	संपदा शुल्क अधिकारी
37	Evaluation	मूल्यांकन
38	Exchange	विनिमय
39	Export	निर्यात
40	Extraordinary	असाधारण
41	Excise	1.उत्पादन शुल्क, 2. अबकारी
42	Expansion	विस्तार / प्रसार / प्रसरण
43	Ex-President	1.भूतपूर्व राष्ट्रपति, 2.भूतपूर्व अध्यक्ष
44	Extract	उद्धरण
45	Extra-curricular	पाठ्येतर / पढ़ाई के अतिरिक्त
46	Fabricate	1.गढ़ना, 2. निर्माण करना
47	Fair Price	उचित मूल्य / उचित भाव
48	Family planning Centre	परिवार नियोजन केंद्र
49	Fellowship	अध्येतावृत्ति
50	Follow-up	अनुवर्तन
51	Financial	वित्तीय / वित्तसंबंधी / वित्त
52	Finger print Examiner	अंगुली–छाप परीक्षक
53	Flight	उड़ान
54	Flood Investigation Division	बाढ अन्वेषण प्रभाग
55	Fundamental	मूल / मौलिक / आधारभूत
56	Further action	आगे की कार्यवाही / अगली कार्यवाही
57	Gallantry award	शौर्य पुरस्कार
58	Gradation list	पदक्रम सूची
59	Gross Value	कुल मूल्य / सकल मूल्य

60	Guidance	मार्गदर्शन / निर्देशन
61	Gunner	तोपची
62	Halting allowance	विराम भत्ता
63	Handicraft	दस्तकारी / हस्तकला / हस्तशिल्प
64	Handloom	हाथ करघा
65	Head Despatcher	प्रधान प्रेषक
66	Heavy Industry	भारी उद्योग
67	His Majesty	महामहिम
68	His Excellency	परम श्रेष्ठ
69	House of People	लोकसभा
70	Identification	पहचान / शिनाख्त
71	Index Number	सूचकांक
72	Insurance	बीमा
73	Investment	निवेश
74	Joining date	कार्यग्रहण तारीख / कार्यारंभ तारीख
75	Journal	1.दैनिकी / रोजनामचा, 2. पत्रिका
76	Kindergaten teacher	बालवाडी शिक्षक
77	Labour Welfare	श्रम कल्याण / श्रमिक कल्याण
78	Last Pay Certificate	अंतिम वेतन पत्र
79	Legislative Assembly	विधान सभा
80	Legislative Council	विधान परिषद
81	Manifesto	घोषणा पत्र
82	Mayor	महापौर
83	Meteorologist	मोसम विज्ञानी
84	Nationalization	राष्ट्रीयकरण
85	Nominee	मनोनीत व्यक्ति / नामित व्यक्ति
86	Official Version	सरकारी कथन / अधिकारिक कथन
87	Ophthamologist	नेत्र विज्ञानी
88	Partition	विभाजन / बँटवारा
89	Postmortem	शव परीक्षा
90	Preface	प्रस्तावना

91	Prospective Customer	संभावित ग्राहक
92	Proceedings	कार्यवाही
93	Quality Control Officer	गुणवत्ता नियंत्रण अधिकारी
94	Quotation	भाव/दर
95	Registration	पंजीकरण
96	Senate	वरिष्ठ सभा
97	Statute	कानून/संविधि
98	Sale Account	विक्रय लेखा/विक्री लेखा
99	Validity	वैधता
100	Viva-Voce	मौखिक परीक्षा

आ) वाक्यांश

1	Acting in good faith	सद्भाव से कार्य करते हुए
2	After consultation	से परमर्श करके
3	Approved as proposed	यथा प्रस्ताव अनुमोदित
4	As modified	यथा अशोधित/तरमीम के साथ
5	Background	ममले की पृष्ठभूमि
6	Beg to state	निवेदन है
7	Circulate and then file	संबंधित व्यक्तियों को दिखाकर फाईल कर दीजिए
8	During the course of discussion	विचार–विमर्श के दौरान/चर्चा के दौरान
9	Early orders are soliciated	शीघ्र आदेशों की प्रार्थना है
10	Explained in your letter	आपके पत्र में स्पष्ट किया गया
11	Follow up action	अनुवर्ती कार्यवाही
12	For favour of doing the needful	यथावश्यक कार्यवाही की कृपा के लिए/ कृपया आवश्यक कार्यवाही की जाए
13	For sympathetic	सहानुभूतिपूर्वक विचार के लिए
14	Hard and fast rule	पक्का नियम
15	Has no comments to make	को कोई टीका नहीं करनी है
16	Hold in abeyance	रोक रखना/स्थगित रखना
17	Hold lien on Post	पद पर पुनर्ग्रहणाधिकारी होना
18	I am desired to say	मुझे निवेदन करने के लिए कहा गया है
19	I beg to submit	निवेदन है कि

20	I fully agree to the office note	कार्यालय की टिप्पणी से मैं पूर्णतः सहमत हूँ
21	In anticipation	की प्रत्याशा में
22	In confirmation	की पुष्टि में
23	In consultation	से परामर्श करके
24	In detail	विस्तार से /ब्योरेवार
25	In particular	विशेषतः/ खासकर
26	In prosecution of	के चलान में/की पूर्ति करने में
27	In the circumstances of	की परिस्थितियों में
28	In the prescribed manner	विहित रीति से/निर्धारित ढंग से/
29	In view of	को ध्यान से देखते हुए/को ध्यान में रखकर
30	Instructions are solicited	कृपया अनुदेश दें
31	It is suggested	यह सुझाव दिया जाता है/सुझाव है
32	Justification for the proposal	प्रस्ताव का औचित्य
33	Keep in abeyance	मूलवती रखा जाए
34	Lay before	समक्ष रखना/सामने रखना
35	May be excused	क्षमा किया जाए/ क्षमा करें
36	May be requested to clarify	से स्पष्टीकरण की प्रार्थना करें
37	By all means	निस्संदेह/अवश्यमेव
38	May be obtained	प्राप्त किया जाय/प्राप्त करें
39	Needs no comments	टिप्पणी की आवश्यकता नहीं
40	Notice in writing	लिखित सूचना
41	Not transferable	अहस्तांतरणीय
42	No reference is coming	पिछला निर्देश नहीं मिल रहा है
43	On an average	औसतन
44	Order communicated	आदेश भेज दिया गया
45	Order may be issued	आदेश जारी कर दिया जाए
46	Out today	आज ही भेजिए
47	On grounds of	के आधार पर
48	Paper for disposal	निपटाने के लिए कागज
49	Passed for payment	भुगतान के लिए पास किया
50	Please expedite compliance	शीघ्र अनुपालन कीजिए

51	Please hand over your charage to shri	कृपया अपना कार्यभार श्री को सौंप दे
52	Put up	प्रस्तुत कीजिए/पेश कीजिए
53	Quoted below	नीचे उद्धृत
54	Reference is invited to	को देखिए/को देखने का कष्ट करें
55	Referred to as	के नाम से निर्दिष्ट
56	Reinstated in service	नौकरी बहाल की गई
57	Required to be recitified	अनुसमर्थन अपेक्षित है
58	Sanctioned as proposed	प्रस्ताव के अनुसार मंजूर/यथा प्रस्ताव संस्वीकृत
59	Self contained note	स्वतःपूर्ण टिप्पणी
60	Steps may be taken	कदम उठाए जाएँ/उपाय किए जाएँ
61	Submitted for perusal	अवलोकनार्थ प्रस्तुत
62	Status quo	यथापूर्व स्थिति
63	Take for granted	मान लेना/मानकर चलना
64	The proposal is quite in order	यह प्रस्ताव बिलकुल ठीक है
65	Through oversight	नजर चूक जाने से/भूल जाने से
66	To the point	विषयानुकूल/सुसंगत/प्रासंगिक
67	Under his hand and seal	अपने हस्ताक्षर और मुद्रासहित
68	Under intimation to this office	इस कार्यालय को सूचना देते हुए
69	Verified and found correct	पडताल की और ठीक पाया
70	Vide letter No.	पत्र संख्या देखिए
71	We are not concerned with this	इसका हमसे संबंध नहीं है
72	With due regard to	का सम्यक ध्यान रखते हुए
73	With full particulars	पूरे ब्योरे सहित/पूरे विवरण के साथ
74	Without any further reference	बिना और किसी निर्देश के
75	Will you please state	कृपया बताएँ

PUNYASHLOK AHILYADEVI HOLKAR SOLAPUR UNIVERSITY,SOLAPUR

पुण्यश्लोक अहिल्यादेवी होळकर सोलापुर विश्वविद्यालय,सोलापुर

Name of faculty : Humanities

मानव्यविद्या (मानविकी) शाखा

CBCS Syllabus

Name of the course : M.A- I Hindi Semester I

एम.ए.भाग 1 हिंदी प्रथम सत्र

DSE (Discipline Specifice Elective) A (Any one) Optional Paper

SCT (A) 1.1 Sahityik Varg Vishesh Rachnakar : Kabir

प्रश्नपत्र का नाम : साहित्यिक वर्ग–(विशेष रचनाकार) : कबीर

With effect form June 2020-21

जून 2020–21 से आरंभ

परिचय /Introduction

साहित्यकार युग से प्रभावित होता है। और अपने युग को प्रभावित भी करता है। भक्ति आंदोलन समय के कोख से निकला भक्ति का स्वाभाविक स्त्रोत है। वर्तमान में भी उसकी प्रासंगिकता असीम है। कबीर भक्ति आंदोलन से उपजे विद्रोही व्यक्तित्व है, जिन्होंने समाज को हमेशा विकास का रास्ता दिखाया है। उन्होंने रूढ़ि–प्रथा, पाखंड, अंधविश्वास का विरोध किया हैं। ईश्वर की साधना का नया मार्ग उन्होंने अपने समय के समाज को दिखाया। प्रस्तुत दोहे एवं पदों के माध्यम से इसीका अध्ययन किया जाएगा।

पाठ्यक्रम के उद्देश्य /Course objectve

1. कबीर के विचारों से अवगत कराना।
2. कबीर के दोहों की प्रासंगिकता से परिचित कराना।
3. अंधविश्वास और पाखंड के बजाय सच्ची भक्ति को समझाना।
4. कबीर की विद्रोही भावना को समझाना।
5. कबीर के मानवतावादी विचारों को समझाना।

पाठ्यक्रम सीखने के परिणाम /Course Learning Outcomes

1. कबीर के विचारों से अवगत होते हैं।
2. कबीर के दोहा की प्रासंगिकता से परिचित होते हैं।
3. कबीर के पदों को समझ लिया है।
4. कबीर की विद्रोही भावना को समझते हैं।
5. कबीर के मानवतावादी विचारों से अवगत हो गए हैं।

शिक्षण अधिगम प्रक्रिया /Teaching Learning Process

1. कक्षा व्याख्यान
2. सामूहिक चर्चा

Name of the Course M.A. I Hindi Semester I

एम.ए.भाग 1 हिंदी प्रथम सत्र

CBCS Pattern Paper No. SCT (A) 1.1 प्रश्नपत्र कमांक 1.1

Sahityik Varg Vishesh Ranchnakar : Kabir

प्रश्नपत्र का नाम : साहित्यिक वर्ग–(विशेष रचनाकार) : कबीर

(Credit Theory 4 Practical 0)

Total Theory Lecture 60

अंक 100 (80 UA 20 CA)

पाठ्यपुस्तक :

1. कबीर ग्रंथावली (साखी) – डॉ.भगवत स्वरूप मिश्र

अध्यनार्थ विषय

इकाई I **Credit-1 Lecture 15**

दोहे–24

1. गुरूदेव कौ अंग– 3,6
2. सुमिरण कौ अंग– 9,17
3. विरह कौ अंग– 33,45
4. परचा कौ अंग– 6,7
5. निहकर्मी पतिव्रता कौ अंग– 6,13
6. चितावणी कौ अंग– 12,34
7. मन कौ अंग– 8,21
8. माया कौ अंग– 11,13
9. कथणी–करणी कौ अंग– 9,5
10. साँच कौ अंग– 15,17
11. भेष कौ अंग– 12,14
12. संगति कौ अंग– 2,7

इकाई II **Credit-1 Lecture 15**

दोहे–24

1. साथ महिमा कौ अंग– 1,9
2. माही कौ अंग– 7,10
3. उपदेश कौ अंग– 9,3
4. जीवन मृतक कौ अंग– 5,13
5. गुरू–सिष कौ अंग– 1,12
6. सूरातन कौ अंग– 19,21
7. काल कौ अंग– 14,19
8. पारिष अपारिष कौ अंग– 5,6
9. कस्तूरियां मृग कौ अंग– 1,9
10. निंदया कौ अंग– 8,3
11. बीनती कौ अंग– 2,6
12. अबिहड कौ अंग– 1,3

इकाई III **Credit-1 Lecture 15**

पद

1. संत/ज्ञानश्रयी शाखा की विशेषताएँ
2. कबीर का विद्रोह

कबीर के पद–12

2, 8, 16, 23, 31, 33, 39, 43, 44, 49, 60, 64

इकाई IV **Credit-1 Lecture 15**

कबीर के पद–12

78, 84, 92, 103, 124, 127, 154, 156, 207, 246, 249, 332

Equivalent Subject for Old Syllabus

Sr. No.	Name of the Old Paper	Name of the New Paper
1	साहित्यिक वर्ग–(विशेष रचनाकार) : कबीर	साहित्यिक वर्ग– (विशेष रचनाकार) : कबीर

संदर्भ ग्रंथ

1. कबीर–विष्णु नागर, भारतीय ज्ञानपीठ, प्रकाशन, नई दिल्ली
2. कबीरदासः विविध आयाम–सं.प्रभाकर क्षोत्रिय, राजकमल प्रकाशन, नई दिल्ली
3. कबीर–हजारीप्रसाद द्विवेदी, राजकमल प्रकाशन, नई दिल्ली
4. कबीर ग्रंथावली–डॉ.श्यामसुंदरदास, जयभवानी प्रकाशन, इलाहाबाद
5. कबीर ग्रंथावली–डॉ.भगवत स्वरूप मिश्र, विनोद पुस्तक मंदिर, आगरा
6. कबीर ग्रंथावली सटीक–प्रो.पुष्पपालसिंह, अशोक प्रकाशन, दिल्ली

PUNYASHLOK AHILYADEVI HOLKAR SOLAPUR UNIVERSITY,SOLAPUR

पुण्यश्लोक अहिल्यादेवी होळकर सोलापुर विश्वविद्यालय,सोलापुर

Name of faculty : Humanities

मानव्यविद्या (मानविकी) शाखा

CBCS Syllabus

Name of the course : M.A- I Hindi Semester I

एम.ए.भाग 1 हिंदी प्रथम सत्र

DSE (Discipline Specifice Elective) A (Any one) Optional Paper

SCT (A) 1.2 Vyavsayik Varg : Patrkarita

प्रश्नपत्र का नाम : व्यवसायिक वर्ग : पत्रकारिता

With effect form June 2020-21

जून 2020–21 से आरंभ

परिचय /Introduction

पत्रकारिता को गणतंत्र के चतुर्थ स्तंभ के रूप में जाना जाता है। गणतंत्र को सुचारू और जनाभिमुख बनाने का कार्य पत्रकारिता करती है। इस पाठ्यक्रम में पत्रकारिता के विभिन्न अंगों पर चर्चा की जाएगी। जिसमें उसका स्वरूप एवं महत्त्व के साथ–साथ पत्रकारिता के तत्त्वों तथा उसकी भाषा के बारे में अध्ययन किया जाएगा।

पाठ्यक्रम के उद्देश्य /Course objectve

1. पत्रकारिता का स्वरूप, प्रकार और महत्त्व को समझाना।
2. पत्रकारिता के उद्भव और विकास से परिचित कराना।
3. पत्रकारिता के मूल तत्त्वों से अवगत कराना।
4. पत्रकारिता की भाषा से परिचित होना।
5. संवाददाता की अर्हता एवं कार्यप्रणाली से अवगत होना।

पाठ्यक्रम सीखने के परिणाम /Course Learning Outcomes

1. पत्रकारिता के स्वरूप, प्रकार और महत्त्व से परिचित हो जाते हैं।
2. पत्रकारिता के उद्भव और विकास से अवगत होते हैं।
3. पत्रकारिता के मूल तत्त्वों से परिचित हो जाते हैं।
4. पत्रकारिता की भाषा से परिचित हो जाएंगे।
5. संवाददाता की अर्हता एवं कार्यप्रणाली से अवगत होते हैं।

शिक्षण अधिगम प्रक्रिया /Teaching Learning Process

1. कक्षा व्याख्यान
2. सामूहिक चर्चा

Name of the Course M.A. I Hindi Semester I

एम.ए.भाग 1 हिंदी प्रथम सत्र

CBCS Pattern Paper No. SCT (A) 1.2 प्रश्नपत्र कमांक 1.2

Vyavsayik Varg : Patrkarita

प्रश्नपत्र का नाम : व्यवसायिक वर्ग : पत्रकारिता

(Credit Theory 4 Practical 0)

Total Theory Lecture 60

अंक 100 (80 UA 20 CA)

अध्यनार्थ विषय

इकाई I **Credit-1 Lecture 15**

पत्रकारिता : स्वरूप और विकास

1. पत्रकारिता : परिभाषा, स्वरूप और प्रकार
2. भारत में पत्रकारिता का आरंभ
3. हिंदी पत्रकारिता का उद्‌भव और विकास

इकाई II **Credit-1 Lecture 15**

संवाददाता और समाचार

1. संवाददाता की अर्हता
2. श्रेणी और कार्य पध्दति
3. समाचार के विविध स्त्रोत

इकाई III **Credit-1 Lecture 15**

समाचार के तत्त्व एवं संपादन कला

1. समाचार पत्रकारिता के मूल तत्त्व : समाचार संकलन तथा लेखन के मुख्य आयाम।
2. संपादन कला के सामान्य सिध्दांत : शीर्षकीकरण, पृष्ठ–विन्यास, आमुख और समाचार पत्र की प्रस्तुति–प्रक्रिया।

इकाई IV **Credit-1 Lecture 15**

पत्रकारिताः सृजनात्मक आयाम

1. पत्रकारिता से संबंधित लेखन : संपादकीय, फीचर, रिपोर्ताज, साक्षात्कार, खोजी समाचार, अनुवर्तन आदि की प्रविधि।
2. समाचार पत्रों के विभिन्न स्तंभो की योजना।

Equivalent Subject for Old Syllabus

Sr. No.	Name of the Old Paper	Name of the New Paper
1	व्यावसायिक वर्ग : पत्रकारिता	व्यावसायिक वर्ग : पत्रकारिता

संदर्भ ग्रंथ :

1. पत्रकारिता के नए आयाम–एस.के.दुबे, राजकमल प्रकाशन, नई दिल्ली
2. हिंदी पत्रकारिता : संवाद और विमर्श–कैलाशनाथ पाण्डेय, राजकमल प्रकाशन, नई दिल्ली
3. पत्रकारिता का विकास–एन.सी.पी.पंत, राधाकृष्ण प्रकाशन, नई दिल्ली
4. राष्ट्रीय नवजागरण और हिंदी पत्रकारिता–मीरा रानी पाल, वाणी प्रकाशन, नई दिल्ली

PUNYASHLOK AHILYADEVI HOLKAR SOLAPUR UNIVERSITY,SOLAPUR

पुण्यश्लोक अहिल्यादेवी होळकर सोलापुर विश्वविद्यालय,सोलापुर

Name of faculty : Humanities

मानव्यविद्या (मानविकी)शाखा

CBCS Syllabus

Name of the course : M.A- I Hindi Semester I

एम.ए.भाग 1 हिंदी प्रथम सत्र

Soft Core B (Any one) Optional Paper

SCT (B) 1.1 Hindi Bhasha Shikshan

प्रश्नपत्र का नाम : हिंदी भाषा शिक्षण

With effect form June 2020-21

जून 2020–21 से आरंभ

परिचय /Introduction

साहित्य और शिक्षा का गहरा संबंध है। वस्तुतः इन दोनों का संबंध समाज के ज्ञान–प्रियता से है। हिंदी भाषा, साहित्य और शिक्षा के कारण सामाजिक, राष्ट्रीय वार्तालाप, सांस्कृतिकता का बोध, विभिन्न भाषा, आचार–विचार, नित–नए तकनीकी का अनुभव, अपना स्वतंत्र अस्तित्व, भाषा–शिक्षा के बहुलता के कारण व्यावहारिक विश्व में समन्वय स्थापित होता है। साहित्य सृजन अन्य कलाओं की तरह मनोरंजन का साधन होने के साथ–साथ जनसंचार एवं जन शिक्षा का प्रभावशाली माध्यम रहा है। अतः हिंदी भाषा और शिक्षण के अंतःसंबंधों को समझते हुए हिंदी भाषा और शिक्षण का हृदयंगम अनिवार्य है।

पाठ्यक्रम के उद्देश्य /Course objectve

1. हिंदी भाषा और शिक्षण को रूचिपूर्ण बनाना।
2. भाषा–शिक्षा से सामाजिक, सांस्कृतिक, वैश्विक बहुज्ञता से परिचित कराना।
3. हिंदी भाषा–शैक्षिक प्रक्रिया से अवगत होना।
4. आधुनिक यांत्रिक–व्यावहारिक आदि आयामों से अवगत होना।

पाठ्यक्रम सीखने के परिणाम /Course Learning Outcomes

1. हिंदी भाषा और शिक्षण से छात्रों में रूचि उत्पन्न होती है।
2. भाषा–शिक्षा से सामाजिक, सांस्कृतिक, वैश्विक बहुज्ञता से परिचित होते हैं।
3. हिंदी भाषा–शैक्षिक प्रक्रिया से अवगत होते हैं।
4. आधुनिक यांत्रिक–व्यावहारिक आदि आयामों से अवगत होते हैं।

शिक्षण अधिगम प्रक्रिया /Teaching Learning Process

1. कक्षा व्याख्यान
2. सामूहिक चर्चा

Name of the Course M.A. I Hindi Semester I

एम.ए.भाग 1 हिंदी प्रथम सत्र

CBCS Pattern Paper No. SCT (B) 1.1 प्रश्नपत्र क्रमांक 1.1

Hindi Bhasha Shikshan

प्रश्नपत्र का नाम : हिंदी भाषा शिक्षण

(Credit Theory 4 Practical 0)

Total Theory Lecture 60

अंक 100 (80 UA 20 CA)

अध्यनार्थ विषय

इकाई I **Credit-1 Lecture 15**

भाषा–शिक्षण के विविध आयाम

1. भाषा, व्यक्ति और समाज
2. भाषा शिक्षण का सामाजिक, राष्ट्रीय एवं शैक्षिक संदर्भ
3. भाषा शिक्षण के संदर्भ में मातृभाषा, द्वितीय भाषा और विदेशी भाषा के रूप में हिंदी

इकाई II **Credit-1 Lecture 15**

भाषा शिक्षण विधि

1. भाषा अधिगम और शिक्षण
2. भाषा–शिक्षण की प्रविधियाँ–व्याकरण विधि, अनुवाद विधि, व्याकरण अनुवाद,
3. विधि, प्रत्यक्ष विधि, तुलनात्मक विधि, श्रव्य विधि, मौखिक–वार्तालाप विधि
4. व्याकरण, अनुवाद एवं मौखिक वार्तालाप विधि की सार्थकता और सीमाएँ

इकाई III **Credit-1 Lecture 15**

हिंदी भाषा–शिक्षण के विभिन्न पक्ष

1. कौशल शिक्षण : श्रवण एवं उच्चारण, वाचन, लेखन : लिपि वर्तनी एवं पाठ अनुच्छेद, व्याकरणिक संरचना
2. गद्य एवं पद्य पाठों एवं संबंधित विधाओं का शिक्षण–कविता, कहानी, निबंध एवं नाटक

इकाई IV **Credit-1 Lecture 15**

भाषा–मूल्यांकन तथा परीक्षण

1. भाषा–शिक्षण और त्रुटि–विश्लेषण
2. मूल्यांकन तथा परीक्षण की संकल्पना
3. भाषा–परीक्षण के कार्य
4. भाषाई कौशल का परीक्षण : श्रवण, भाषण, वाचन, लेखन, अन्य रूप
5. मूल्यांकन के प्रकार

Equivalent Subject for Old Syllabus

Sr. No.	Name of the Old Paper	Name of the New Paper
1	–	हिंदी भाषा शिक्षण

संदर्भ ग्रंथ :

1. भाषा–शिक्षण–रवीन्द्रनाथ श्रीवास्तव
2. हिंदी भाषा शिक्षण–भोलानाथ तिवारी
3. भाषा–शिक्षण–कुछ नये विचार–बिन्दु–इंदिरा नुपूर
4. हिंदी का वाक्यात्मक व्याकरण–सूरजभान सिंह
5. हिंदी भाषा और नागरी लिपि–सं.लक्ष्मीकांत वर्मा

PUNYASHLOK AHILYADEVI HOLKAR SOLAPUR UNIVERSITY,SOLAPUR

पुण्यश्लोक अहिल्यादेवी होळकर सोलापुर विश्वविद्यालय,सोलापुर

Name of faculty : Humanities

मानव्यविद्या (मानविकी)शाखा

CBCS Syllabus

Name of the course : M.A- I Hindi Semester I

एम.ए.भाग 1 हिंदी प्रथम सत्र

Soft Core B (Any one) Optional Paper

SCT (B) 1.2 Anuvad

प्रश्नपत्र का नाम : अनुवाद

With effect form June 2020-21

जून 2020–21 से आरंभ

परिचय /Introduction

विश्व के विचारों को एक धागे में पिरोने का कार्य अनुवाद ने किया है। दुनिया के एक कोने का ज्ञान दूसरे कोने तक पहुँचाने का कार्य अनुवाद के कारण हुआ है। इसलिए अनुवाद का महत्त्व दिन–दिन–ब–दिन बढ़ता जा रहा है। विश्व में कोई भी विचार या तकनीकी निर्माण हो जाती है तो व्यक्ति अन्य भाषिकों तक अनुवाद के माध्यम से पहुँचाता है। इसलिए अनुवाद के क्षेत्र विस्तार को देखते हुए उसमें रोजगार की संभावनाएँ कई गुना बढ़ गई है। इसलिए अनुवाद के बारे में छात्रों को जानना आवश्यक हो गया है। इसी बात को मध्यनजर रखते हुए प्रस्तुत प्रश्नपत्र अध्ययन हेतु रखा है।

पाठ्यक्रम के उद्देश्य /Course objectve

1. अनुवाद के सैध्दांतिक पक्ष से परिचित कराना।
2. विभिन्न क्षेत्रों में किये जानेवाले अनुवाद की जानकारी प्राप्त कराना।
3. अनुवाद की सामाजिक उपादेयता को जानना।
4. अनुवाद में रोजगार के क्षेत्रों से परिचय करना।

पाठ्यक्रम सीखने के परिणाम /Course Learning Outcomes

1. अनुवाद के सैध्दांतिक पक्ष से परिचित होंगे।
2. विभिन्न क्षेत्रों में किये जानेवाले अनुवाद की जानकारी हो जाएगी।
3. अनुवाद की सामाजिक उपादेयता को जानेंगे।
4. अनुवाद में रोजगार के क्षेत्रों की जानकारी होगी।

शिक्षण अधिगम प्रक्रिया /Teaching Learning Process

1. कक्षा व्याख्यान
2. सामूहिक चर्चा

Name of the Course M.A. I Hindi Semester I

एम.ए.भाग 1 हिंदी प्रथम सत्र

CBCS Pattern Paper No. SCT (B) 1.2 प्रश्नपत्र कमांक 1.2

Anuvad

प्रश्नपत्र का नाम : अनुवाद

(Credit Theory 4 Practical 0)

Total Theory Lecture 60

अंक 100 (80 UA 20 CA)

अध्यनार्थ विषय

इकाई I **Credit-1 Lecture 15**

अनुवाद का स्वरूप एवं प्रकिया

1. अनुवाद की परिभाषा, स्वरूप
2. अनुवाद की प्रविधि एवं प्रकिया
3. अनुवाद के प्रकार
4. अनुवाद की सीमाएँ

इकाई II **Credit-1 Lecture 15**

अनुवाद के क्षेत्र एवं प्रकार

1. साहित्यिक अनुवाद : गद्यनुवाद, पद्यनुवाद
2. वैज्ञानिक अनुवाद
3. वाणिज्यिक व्यवसाय और अनुवाद
4. जनसंचार माध्यम, विज्ञापन और अनुवाद

इकाई III **Credit-1 Lecture 15**

प्रशासनिक अनुवाद

1. कार्यालयीन अनुवाद
2. विधि और न्यायालयीन अनुवाद
3. बैंकिग अनुवाद
4. तकनीकी और वैज्ञानिक अनुवाद

इकाई IV **Credit-1 Lecture 15**

अनुवाद की उपादेयता

1. अनुवाद की सामाजिक उपादेयता
2. अनुवाद और सामाजिक आदान–प्रदान
3. अनुवाद की सांस्कृतिक उपादेयता
4. अनुवाद में रोजगारोन्मुख अवसर

Equivalent Subject for Old Syllabus

Sr. No.	Name of the Old Paper	Name of the New Paper
1	–	अनुवाद

संदर्भ ग्रंथ

1. अनुवाद सिध्दांत की रूपरेखा–डॉ.सुरेश कुमार, वाणी प्रकाशन, नई दिल्ली
2. अनुवाद विज्ञान की भूमिका–कृष्ण कुमार गोस्वामी, राजकमल प्रकाशन, नई दिल्ली, द्वितीय संस्करण, 2014
3. अनुवाद की प्रक्रिया तकनीक और समस्याएँ–डॉ.श्रीनारायण समीर, लोकभारती प्रकाशन, इलाहाबाद, दूसरा सं. 2019
4. अनुवाद : अवधारणा एवं विमर्श–डॉ.श्रीनारायण समीर, लोकभारती प्रकाशन, इलाहाबाद, प्र.सं. 2012
5. अनुवाद अनुसृजन–सं. ए. अरविंदाक्षन, राधाकृष्ण प्रकाशन, नई दिल्ली, प्र.सं. 2019
6. अनुवाद एवं संचार–डॉ. पूनरचंद टंडन, राजपाल एवं सन्ज, नई दिल्ली
7. व्यावहारिक अनुवाद–डॉ. विश्वनाथ अय्यर, प्रतिभा प्रतिष्ठान, नई दिल्ली
8. अनुवाद का समाजशास्त्र–डॉ.सूर्यनारायण रणसुभे, अमित प्रकाशन, नई दिल्ली
9. प्रयोजनमूलक हिंदी की नयी भूमिका–कैलाश नाथ पाण्डेय, लोकभारती प्रकाशन, इलाहाबाद, तृतीय संस्करण 2018

PUNYSHLOK AHILYADEVI HOLKAR SOLAPUR UNIVERSITY,SOLAPUR

पुण्यश्लोक अहिल्यादेवी होळकर सोलापुर विश्वविद्यालय,सोलापुर

M.A. I Year Hindi Semester II

एम. ए. प्रथम वर्ष हिंदी सत्र द्वितीय

Choice Based Credit System

2020–21

सी.बी.सी.एस. प्रणाली के अनुसार

(For Colleges - महाविद्यालयों हेतु)

समन्वयक–प्रो.डॉ.सौ.सुरैय्या शेख

अध्यक्ष–हिंदी अध्ययन मंडल,

पुअहो सोलापुर विश्वविद्यालय,सोलापुर

Semester	Code	Title of the Paper	Semester Exam			L	T	P	Total Credits
			Theory	lA	Total				
Second									
Subject		**Hard Core Compulsory Paper**							
HCT	1.1	आधुनिक हिंदी गद्य साहित्य	80	20	100	4	1	0	5
HCT	1.2	हिंदी भाषा एवं लिपि	80	20	100	4	1	0	5
HCT	1.3	संगणकीय हिंदी एवं व्यावहारिक हिंदी	80	20	100	4	1	0	5
		Soft Core A (Any One) Optional							
SCT	1.1	साहित्यिक वर्ग–विशेष रचनाकार : सूर्यकांत त्रिपाठी 'निराला'	80	20	100	4	1	0	5
SCT	1.2	व्यवसायिक वर्ग : पत्रकारिता	80	20	100	4	1	0	5
		Generic Elective (Any One)							
OET	1.1	भारतीय साहित्य	80	20	100	4	1	0	5
OET	1.2	हिंदी साहित्य और सिनेमा	80	20	100	4	1	0	5
		Total	**400**	**100**	**500**	**20**	**05**	**00**	**25**

PUNYASHLOK AHILYADEVI HOLKAR SOLAPUR UNIVERSITY,SOLAPUR

पुण्यश्लोक अहिल्यादेवी होळकर सोलापुर विश्वविद्यालय,सोलापुर

Name of faculty : Humanities

मानव्यविद्या (मानविकी)शाखा

CBCS Syllabus

Name of the course : M.A- I Hindi Semester II

एम.ए.भाग 1 हिंदी द्वितीय सत्र

Hard Core Compulsory Paper

HCT 1.1 Adhunik Hindi Gadya Sahitya

प्रश्नपत्र का नाम : आधुनिक हिंदी गद्य साहित्य

With effect form June 2020-21

जून 2020–21 से आरंभ

परिचय /Introduction s

आधुनिक काल में गद्य साहित्य को अभूतपूर्व सफलता मिली है। यह मानव मन और मस्तिष्क की अभिव्यक्ति का सशक्त एवं अनिवार्य माध्यम बन गया है। मनुष्य के राग–विराग, तर्क–वितर्क तथा चिंतन–मनन जिस रागात्मकता के साथ कौशलपूर्ण ढंग से गद्य में अभिव्यक्ति होता है, वैसा अन्य साहित्य विधा में नहीं। आधुनिक काल में गद्य के विविध रूपों का विकास इसका साक्षी है कि प्रौढ़ मन, मस्तिष्क की पूर्ण अभिव्यक्ति गद्य में ही संभव है। निबंध गद्य का प्रौढ़, शक्तिशाली प्रतिरूप, उसकी अभिव्यक्ति एवं स्वतंत्र चेतना का विश्वसनीय प्रतिनिधि है। नाटक, उपन्यास, कहानी तथा अन्य विविध विधाओं के रूप में गद्य साहित्य विराट बन गया है। आज मनुष्य को उसकी प्रकृति, परिवेश, परिस्थिति तथा चिंतन के विकास के साथ सहज प्रामाणिक रूप में गद्य के माध्यम से ही जाना जा सकता है। अतः इसका अध्ययन अनिवार्य है।

पाठ्यक्रम के उद्देश्य /Course objectve

1. हिंदी गद्य साहित्य से छात्रों को परिचित कराना।
2. हिंदी गद्य साहित्य की विविध विधाओं का अध्ययन कराना।
3. छात्रों में हिंदी गद्य विधाओं के प्रति रूचि पैदा कराना।
4. तत्कालीन भारतीय सामाजिक, राजनीतिक, सांस्कृतिक परिवेश से रू–बरू कराना।

पाठ्यक्रम सीखने के परिणाम /Course Learning Outcomes

1. हिंदी गद्य साहित्य से छात्र परिचित हो जाते हैं।
2. हिंदी गद्य साहित्य की विविध विधाओं का अध्ययन करते हैं।
3. छात्रों में हिंदी गद्य विधा से रूचि पैदा होती है।
4. तत्कालीन भारतीय सामाजिक, सांस्कृतिक परिवेश से परिचित हो जाते हैं।

शिक्षण अधिगम प्रकिया /Teaching Learning Process

1. कक्षा व्याख्यान
2. सामूहिक चर्चा

Name of the Course M.A. I Hindi Semester II

एम.ए.भाग 1 हिंदी द्वितीय सत्र

CBCS Pattern Paper No. HCT 1.1 प्रश्नपत्र कमांक 1.1

Adhunik Hindi Gadya Sahitya

प्रश्नपत्र का नाम : आधुनिक हिंदी गद्य साहित्य

(Credit Theory 4 Practical 0)

Total Theory Lecture 60

अंक 100 (80 UA 20 CA)

पाठ्यपुस्तक :

1. श्रृंखला की कड़ियाँ (निबंध संग्रह)—महादेवी वर्मा, लोकभारती प्रकाशन, नई दिल्ली

अध्यनार्थ विषय

इकाई I **Credit-1 Lecture-15**

महादेवी वर्मा एवं श्रृंखला की कड़ियॉ

1. महादेवी वर्मा का जीवन परिचय
2. महादेवी वर्मा का साहित्य परिचय
3. श्रृंखला की कड़ियाँ
4. युध्द और नारी
5. नारीत्व का अभिशाप
6. आधुनिक नारी

इकाई II **Credit-1 Lecture-15**

श्रृंखला की कड़ियॉ

7. घर ओर बाहर
8. हिंदू स्त्री का पत्नीत्व
9. जीवन का व्यवसाय
10. स्त्री के अर्थस्वातंत्र्य का प्रश्न
11. हमारी समस्याएँ

12. समाज और व्यक्ति

13. जीवन की कला

पाठ्यपुस्तक :

2. रेहन पर रग्घू (उपन्यास)–काशीनाथ सिंह, राजकमल प्रकाशन, नई दिल्ली

इकाई III **Credit-1 Lecture-15**

काशीनाथ सिंह और रेहन पर रग्घू उपन्यास

1. काशीनाथ सिंह का जीवन परिचय
2. काशीनाथ सिंह का साहित्य परिचय
3. उपन्यास का कथानक
4. उपन्यास के पात्र एवं चरित्र–चित्रण

इकाई IV **Credit-1 Lecture-15**

रेहन पर रग्घू उपन्यास

5. उपन्यास की संवाद योजना
6. उपन्यास में देशकाल वातावरण
7. उपन्यास की भाषा–शैली
8. उपन्यास का उद्देश्य

Equivalent Subject for Old Syllabus

Sr. No.	Name of the Old Paper	Name of the New Paper
1	आधुनिक गद्य साहित्य	आधुनिक हिंदी गद्य साहित्य

संदर्भ ग्रंथ :

1. अंतिम दो दशकों का हिंदी साहित्य–डॉ.मीरा गौतम, वाणी प्रकाशन, नई दिल्ली
2 हिंदी गद्य : इधर की उपलब्धियाँ–डॉ.पुष्पा लाल सिंह, वाणी प्रकाशन, नई दिल्ली
5. हिंदी निबंध साहित्य का सांस्कृतिक अध्ययन–डॉ.बाबराय, वाणी प्रकाशन, नई दिल्ली
3. समकालीन हिंदी साहित्यः विविध परिदृश्य–रामस्वरूप चतुर्वेदी, राजकमल प्रकाशन, नई दिल्ली
4. हिंदी का गद्य साहित्य–डॉ.रामचंद्र तिवारी, विश्वविद्यालय, प्रकाशन, वाराणसी
5. महादेवी वर्मा का गद्य–सूर्य प्रसाद दीक्षित, राधाकृष्ण प्रकाशन, नई दिल्ली
6. महादेवी वर्मा–सं. इंद्रनाथ मदान, राधाकृष्ण प्रकाशन, नई दिल्ली
7. महादेवी वर्माः कवि और गद्यकार–लक्ष्मीदत्त गौतम कोणार्क प्रकाशन, नई दिल्ली
8. हिंदी के बहुचर्चित उपन्यासकार–अमर जसवाल, विद्या विहार, कानपुर
9. काशीनाथ सिंह का रचना संसार–अंजली कृष्णन

PUNYASHLOK AHILYADEVI HOLKAR SOLAPUR UNIVERSITY,SOLAPUR

पुण्यश्लोक अहिल्यादेवी होळकर सोलापुर विश्वविद्यालय,सोलापुर

Name of faculty : Humanities

मानव्यविद्या (मानविकी)शाखा

CBCS Syllabus

Name of the course : M.A- I Hindi Semester II

एम.ए.भाग 1 हिंदी द्वितीय सत्र

Hard Core Compulsory Paper

HCT 1.2 Hindi Bhasha Avn Lipi

प्रश्नपत्र का नाम : हिंदी भाषा एवं लिपि

With effect form June 2020-21

जून 2020–21 से आरंभ

परिचय /Introduction

हिंदी भाषा भारत में सबसे अधिक बोली और समझी जानेवाली भाषा है। जिसके उद्‌भव और उसके विस्तार भारत के बहुत बड़े प्रदेशों में हुआ है। हिंदी के अन्तर्गत कुल सत्रह उपभाषाएँ है तथा उसकी लिपि देवनागरी है। भारत क सिवा हिंदी विश्व के कई देशों में बोली और समझी जाती है। इसके चलते हिंदी का वैश्विक रूप सामने आ गया है। हिंदी भाषा और लिपि का गहराई से अध्ययन जरूरी है। जिसकी जानकारी प्रस्तुत पाठ्यक्रम में हो जाएगी।

पाठ्यक्रम के उद्‌देश्य /Course objectve

1. हिंदी की ऐतिहासिक पृष्ठभूमि से अवगत कराना।
2. हिंदी की उपभाषाओं के भौगोलिक विस्तार से अवगत कराना।
3. हिंदी की स्वनिम व्यवस्था से परिचित कराना।
4. देवनागरी लिपि की उत्पति एवं उसकी विशेषताओं से अवगत कराना।

पाठ्यक्रम सीखने के परिणाम /Course Learning Outcomes

1. हिंदी की ऐतिहासिक पृष्ठभूमि से अवगत होते हैं।
2. हिंदी की उपभाषाओं के भौगोलिक विस्तार को जानते हैं।
3. हिंदी की स्वनिम व्यवस्था से परिचित हो जाते हैं।
4. देवनागरी लिपि की उत्पत्ति एवं उसकी विशेषताओं से परिचित हो जाते हैं।

शिक्षण अधिगम प्रक्रिया /Teaching Learning Process

1. कक्षा व्याख्यान
2. सामूहिक चर्चा

Name of the Course M.A. I Hindi Semester II

एम.ए.भाग 1 हिंदी द्वितीय सत्र

CBCS Pattern Paper No. HCT 1.2 प्रश्नपत्र कमांक 1.2

Hindi Bhasha Avn Lipi

प्रश्नपत्र का नाम : हिंदी भाषा एवं लिपि

(Credit Theory 4 Practical 0)

Total Theory Lecture 60

अंक 100 (80 UA 20 CA)

अध्यनार्थ विषय

इकाई I **Credit-1 Lecture-15**

हिंदी की ऐतिहासिक पृष्ठभूमि

1. प्राचीन भारतीय आर्यभाषाएँ : वैदिक तथा लौकिक संस्कृत और उनकी विशेषताएँ
2. मध्यकालीन भारतीय आर्यभाषाएँ : पालि, प्राकृत, अपभ्रंश और उनकी विशेषताएँ
3. आधुनिक भारतीय आर्यभाषाएँ और उनका वर्गीकरण – हार्नले, ग्रियर्सन (अंतिम वर्गीकरण), चटर्जी और हरदेव बहारी द्वारा किया गया वर्गीकरण

इकाई II **Credit-1 Lecture-15**

हिंदी का भौगोलिक विस्तार (उपभाषाएँ)

1. पश्चिमी हिंदी 2. पूर्वी हिंदी 3. राजस्थानी हिंदी 4. बिहारी हिंदी
5. पहाड़ी हिंदी और उनकी बोलियाँ

इकाई III **Credit-1 Lecture-15**

हिंदी का भाषिक स्वरूप

1. हिंदी की स्वनिम व्यवस्था – स्वनिम की परिभाषा, स्वनिम निर्धारण, स्वनिम और सहस्वन (संस्वन) में अंतर
2. स्वनिम के भेद – खंड्य, खंड्येतर
3. हिंदी शब्द रचना – उपसर्ग, प्रत्यय, समास

इकाई IV **Credit-1 Lecture-15**

लिपि विज्ञान

1. लिपि का उद्‌भव और विकास, खरोष्ठी और ब्राह्मी लिपि का परिचय
2. देवनागरी लिपि का उद्‌भव और विकास, देवनागरी लिपि की वैज्ञानिकता
3. देवनागरी लिपि की विशेषताएँ, देवनागरी लिपि में सुधार, देवनागरी लिपि का मानकीकरण

Equivalent Subject for Old Syllabus

Sr. No.	Name of the Old Paper	Name of the New Paper
1	भाषा विज्ञान एवं हिंदी भाषा	हिंदी भाषा एवं लिपि

संदर्भ ग्रंथ :

1. भाषा विज्ञान–डॉ.भोलानाथ तिवारी
2. आधुनिक भाषा विज्ञान–डॉ.भोलानाथ तिवारी
3. भाषा विज्ञान की भूमिका–डॉ.देवेंद्रनाथ शर्मा
4. हिंदी भाषा का इतिहास–डॉ.धीरेंद्र वर्मा
5. हिंदी भाषा : उद्‌भव और विकास–डॉ.उदयनारायण तिवारी
6. हिंदी :उद्‌भव, विकास और रूप–डॉ.हरदेव बाहरी
7. नागरी लिपि और उसकी समस्याएँ–डॉ.नरेश मिश्र
8. हिंदी भाषा की लिपि संरचना–डॉ.भोलानाथ तिवारी
9. भाषा विज्ञान : सिध्दांत और प्रयोग–डॉ.अंबाप्रसाद सुमन
10. भाषा विज्ञान–डॉ.मनमोहन गौतम
11. भाषा विज्ञान एवं भाषाशास्त्र–डॉ.कपिलदेव त्रिवेदी
12. नागरी लिपि : रूप और सुधार –मोहन ब्रिज
13. भाषिकी, हिंदी भाषा तथा भाषा शिक्षण–डॉ.अंबादास देशमुख
14. भाषा विज्ञान–डॉ.तेजपाल चौधरी
15. भाषा विज्ञान एवं हिंदी भाषा–डॉ.लक्ष्मीकांत पाण्डेय
16. भाषा विज्ञान के विविध आयाम–डॉ.अंबादास देशमुख

PUNYASHLOK AHILYADEVI HOLKAR SOLAPUR UNIVERSITY,SOLAPUR

पुण्यश्लोक अहिल्यादेवी होळकर सोलापुर विश्वविद्यालय,सोलापुर

Name of faculty : Humanities

मानव्यविद्या (मानविकी)शाखा

CBCS Syllabus

Name of the course : M.A- I Hindi Semester II

एम.ए.भाग 1 हिंदी द्वितीय सत्र

Hard Core Compulsory Paper

HCT 1.3 Sangnakiya Hindi avn Vyavaharik Hindi

प्रश्नपत्र का नाम : संगणकीय हिंदी एवं व्यावहारिक हिंदी

With effect form June 2020-21

जून 2020–21 से आरंभ

परिचय /Introduction

आज के दौर में संगणक का महत्त्व बहुत बढ़ रहा है। हर क्षेत्र में संगणक ने अपनी जगह बना ली है। इसलिए इस युग को संगणक का युग कहा जाए तो भी अतिशयोक्ति नहीं होगी। हिंदी ने भी संगणक का स्वीकार किया है। जिसमें कई सारे सॉफ्टवेयर, फॉन्ट उपलब्ध हो रहे हैं। कार्यालय से लेकर निजी कामकाज में हिंदी प्रयोग हो रहा है। कई सारे समाचार पत्र हिंदी के कम्प्यूटर पर ऑनलाईन उपलब्ध हो रहे हैं। इस पाठ्यक्रम में संगणक में हिंदी का उपयोग कैसा हो रहा है। उससे छात्रों को परिचित किया जाएगा।

पाठ्यक्रम के उद्देश्य /Course objectve

1. संगणक में हिंदी के अनुप्रयोग से अवगत कराना।
2. मुद्रित माध्यम के सैध्दांतिक पक्ष से अवगत कराना।
3. इलेक्ट्रॉनिक माध्यम रेडियो के लिए लेखन से अवगत कराना।
4. टेलिविजन की जानकारी देते हुए उसमें किये जानेवाले लेखन से परिचित कराना।

पाठ्यक्रम सीखने के परिणाम /Course Learning Outcomes

1. संगणक में हिंदी के अनुप्रयोग से अवगत हो जाते हैं।
2. मुद्रित माध्यम के सैध्दांतिक पक्ष से परिचित होते हैं।
3. इलेक्ट्रॉनिक माध्यम रेडियो के लिए लेखन से अवगत होते हैं।
4. टेलिविजन की जानकारी देते हुए उसमें किये जानेवाले लेखन से परिचित हुए हैं।

शिक्षण अधिगम प्रक्रिया /Teaching Learning Process

1. कक्षा व्याख्यान
2. सामूहिक चर्चा

Name of the Course M.A. I Hindi Semester II

एम.ए.भाग 1 हिंदी द्वितीय सत्र

CBCS Pattern Paper No. HCT 1.3 प्रश्नपत्र कमांक 1.3

Sangnakiya Hindi yavam Vyavaharik Hindi

प्रश्नपत्र का नाम : संगणकीय हिंदी एवं व्यावहारिक हिंदी

(Credit Theory 4 Practical 0)

Total Theory Lecture 60

अंक 100 (80 UA 20 CA)

अध्यनार्थ विषय

इकाई I **Credit-1 Lecture-15**

संगणकीय हिंदी : सामान्य स्वरूप

1. संगणक : परिचय, क्षेत्र, रूपरेखा, उपयोग
2. इंटरनेट : उपकरणों का परिचय, प्रयोग विधि, प्रकार्यात्मक रख–रखाव
3. इंटरनेट–समय मितव्ययिता के सूत्र
4. वेब पब्लिशिंगः परिचय एवं महत्त्व
5. इंटर एक्सप्लोरर अथवा नेटस्केप
6. लिंक, ब्राऊजिंग, ई–मेल प्रेषण एवं प्राप्ति, हिंदी के प्रमुख इंटरनेट पोर्टल, डाऊन लोडिंग एवं अप लोडिंग, हिंदी सॉफ्टवेयर पैकेज, हिंदी वेब साईटस् हिंदी वेब पत्रिकाएँ

इकाई II **Credit-1 Lecture-15**

मुद्रित माध्यम : सामान्य स्वरूप

मुद्रित माध्यम :

1. मुद्रित भाषा की प्रकृति 2. समाचार पत्र 3. पत्रिकाओं में रिपोर्ट (रपट) लेखन
4. समाचार संपादन (लेखन) के आधारभूत तत्त्व

शीर्षक की संरचना :

1. लीड 2. इंट्रो एवं शीर्षक संपादन 3. शीर्षक के प्रकार

मीडिया लेखन :

1. संपादकीय लेखन 2. पृष्ठ सज्जा 3. साक्षात्कार लेखन 4. समाचार लेखन कला

इकाई III **Credit-1 Lecture-15**

इलैक्ट्रॉनिक माध्यमः सामान्य स्वरूप

श्रव्य माध्यम (रेडियो) :

1. मौखिक भाषा की प्रकृति 2. समाचार लेखन एवं वाचन 3. रेडियो नाटक

4. उद्घोषणा लेखन 5. विज्ञापन लेखन 6. फिचर एवं रिपोर्ताज

इकाई IV **Credit-1 Lecture-15**

दृश्य–श्रव्य माध्यम (फिल्म, टेलिविजन एवं वीडियो) : सामान्य स्वरूप

1. दृश्य माध्यमों में भाषा की प्रकृति 2. दृश्य एवं श्रव्य सामग्री का सामंजस्य

3. पार्श्ववाचन (वायसओअर) पटकथा लेखन

4. टेली ड्रामा/डॉक्यू ड्रामा 5. संवाद लेखन 6. साहित्य की विधाओं

का दृश्य माध्यमों में रूपांतरण 7. विज्ञापन की भाषा एवं लेखन

Equivalent Subject for Old Syllabus

Sr. No.	Name of the Old Paper	Name of the New Paper
1	प्रयोजनमूलक हिंदी	संगणकीय हिंदी एवं व्यावहारिक हिंदी

संदर्भ ग्रंथ :

1. कार्यालयी कार्यबोध–हरिबाबू बंसल, प्रभात प्रकाशन, 205 चावडी बाजार, दिल्ली
2. प्रारूपण, टिप्पण, प्रूफ पठन–डॉ.भोलानाथ तिवारी, डॉ.विजय कुलश्रेष्ठ, वाणी प्रकाशन, 21–ए दरियागंज, नई दिल्ली
3. प्रशासनिक एवं कार्यालयी हिंदी–डॉ.राम प्रकाश एवं डॉ.दिनेशकुमार त्रिपाठी, राधाकृष्ण प्रकाशन, 2/38 अंसारी मार्ग,दरियागंज, नई दिल्ली
4. प्रयोजनमूलक हिंदी : विविध पारिदृश्य –डॉ.रमेशचंद्र त्रिपाठी एवं डॉ.पवन अग्रवाल, अलका प्रकाशन, 128/103, जी किदवाई नगर, कानपुर
5. व्यावहारिक राजभाषा–आलोककुमार रस्तोगी, जीवनज्योति प्रकाशन, दिल्ली
6. कंप्यूटर : क्या, क्यों, कैसे?–रामबंसल 'विज्ञाचार्य', वाणी प्रकाशन, दिल्ली
7. कंप्यूटर : सूचना प्रणाली–रामबंसल 'विज्ञाचार्य', वाणी प्रकाशन, दिल्ली
8. कंप्यूटर के भाषिक अनुप्रयोग–विजयकुमार मल्होत्रा, वाणी प्रकाशन, दिल्ली
9. Principals & Ethics of- Dr.Jan R.Hak Emulder & Other, Anmol Journalism Publications Pvt.LTd. 4374B, Ansari Road, Daryaganji, New Delhi
10. Journalism Made Simple - David Wainwright Rupa and CO., Henemmann, London (U.K.)
11. The Electronic Media- Edt.ARavind Kumar, Anmol Prakashans Pvt.Ltd. 4374/4B, Ansari Road, Daryaganji, New Delhi 110002
12. Radio & T.V. Journalism -K.M. Shrivastav, Sterlling Publication Pvt. Ltd. L-10, Green Park extension, New Delhi - 11001
13. नये जनसंचार माध्यम और हिंदी: सं.सुधीश पचौरी, अचला शर्मा
14. जनसंचार–विविध आयाम–ब्रजमोहन गुप्त
15. प्रयोजनमूलक हिंदी: प्रासंगिकता एवं परिदृश्य–डॉ.नागलक्ष्मी
16. प्रयोजनमूलक हिंदी विविध आयाम–डॉ.अंबादास देशमुख

PUNYASHLOK AHILYADEVI HOLKAR SOLAPUR UNIVERSITY,SOLAPUR

पुण्यश्लोक अहिल्यादेवी होळकर सोलापुर विश्वविद्यालय,सोलापुर

Name of faculty : Humanities

मानव्यविद्या (मानविकी)शाखा

CBCS Syllabus

Name of the course : M.A- I Hindi Semester II

एम.ए.भाग 1 हिंदी द्वितीय सत्र

Soft Core A (Any one) Optional Paper

SCT (A) 1.1 Sahitiyk Varg Vishesh Ranchnakar : Surkant Tripathi Nirala

प्रश्नपत्र का नाम : साहित्यिक वर्ग (विशेष रचनाकार) : सूर्यकांत त्रिपाठी 'निराला'

With effect form June 2020-21

जून 2020–21 से आरंभ

परिचय /Introduction

आधुनिक हिंदी कविता में क्रांतिदर्शी, युगदृष्टा, विद्रोही कवि के रूप में सूर्यकांत त्रिपाठी निराला की अपनी पहचाना है। महाकवि निराला ने अपने कविताओं के माध्यम से समाज को बंधनों से ही नहीं निकाला अपितु कविता को भी बंधनों से मुक्त करने का कार्य किया।

पाठ्यक्रम के उद्देश्य /Course objectve

1. सूर्यकांत त्रिपाठी निराला के कृतित्व को समझाना।
2. सूर्यकांत त्रिपाठी निराला के कविता के अन्तरंग को अवगत कराना।
3. अनामिका काव्य संकलन के कविताओं से परिचित कराना।
4. 'नये पत्ते' काव्य संकलन की कविताओं से परिचित कराना।
5. निराला की जनवादी दृष्टि से परिचित कराना।

पाठ्यक्रम सीखने के परिणाम /Course Learning Outcomes

1. सूर्यकांत त्रिपाठी निराला के कृतित्व समझ सकते हैं।
2. सूर्यकांत त्रिपाठी निराला की कविता के अन्तरंग से अवगत हुए हैं।
3. 'अनामिका' काव्य संकलन के कविताओं से परिचित हो सकते हैं।
4. 'नये पत्ते' काव्य संकल्पन की कविताओं से परिचित हो सकते हैं।
5. निराला की जनवादी दृष्टि से परिचित हो सकते हैं।

शिक्षण अधिगम प्रक्रिया /Teaching Learning Process

1. कक्षा व्याख्यान
2. सामूहिक चर्चा

Name of the Course M.A. I Hindi Semester II

एम.ए.भाग 1 हिंदी द्वितीय सत्र

CBCS Pattern Paper No. SCT (A) 1.1 प्रश्नपत्र कमांक 1.1

Sahityik Varg Vishesh Rachnakar : Surykant Tripathi Nirala

प्रश्नपत्र का नाम : साहित्यिक वर्ग (विशेष रचनाकार) : सूर्यकांत त्रिपाठी 'निराला'

(Credit Theory 4 Practical 0)

Total Theory Lecture 60

अंक 100 (80 UA 20 CA)

पाठ्यपुस्तकें :

1. **अनामिका–सूर्यकांत त्रिपाठी 'निराला'**
2. **नये पत्ते–सूर्यकांत त्रिपाठी 'निराला'**

अध्यनार्थ विषय

इकाई I **Credit-1 Lecture 15**

निराला एवं उनकी कविताएँ

1. 'निराला' का व्यक्तित्व एवं साहित्यिक कृतित्व
2. अनामिका–1. गीत 2. प्रेयसी 3. खण्डहर के प्रति 4. क्या गाऊँ 5. कहाँ देश है?
6. वह तोड़ती पत्थर

इकाई II **Credit-1 Lecture 15**

निराला की कविताएँ–अनामिका

1. बनबेला 2. सरोजस्मृति 3. मुक्ति 4. वे किसान की नई बहु की आँखें
5. राम की शक्ति पूजा 6. मित्र के प्रति

इकाई III **Credit-1 Lecture 15**

निराला की कविताएँ–नये पत्ते

1. रानी और कानी 2. आँख आँख काँहा हो गयी 3. राजा ने अपनी रखवाली की
4. तारे गिनते रहें 5. गर्म पकोड़ी 6. खेल

इकाई IV **Credit-1 Lecture 15**

'निराला' की कविताएँ–नये पत्ते

1. कुता भौकने लगा 2. तिलांजली 3. छलाँग मारता चला गया 4. वर्षा

5. खून की होली ज्यों खेली 6. चर्खा चला

Equivalent Subject for Old Syllabus

Sr. No.	Name of the Old Paper	Name of the New Paper
1	साहित्यिक वर्ग (विशेष रचनाकार) : सूर्यकांत त्रिपाठी 'निराला'	साहित्यिक वर्ग (विशेष रचनाकार) : सूर्यकांत त्रिपाठी 'निराला'

संदर्भ ग्रंथ :

1. अनामिका–निराला, राजकमल प्रकाशन, नई दिल्ली
2. नये पत्ते–निराला, लोकभारती प्रकाशन, नई दिल्ली
3. हिंदी साहित्य का इतिहास–आ.रामचंद्र शुक्ल
4. हिंदी साहित्य का इतिहास–डॉ.नगेंद्र
5. निराला काव्य की छवियाँ–नंदकिशोर नवल, राजकमल प्रकाशन, नई दिल्ली
6.कवि निराला–नंददुलारे वाजपेयी, राजकमल प्रकाशन, नई दिल्ली
7. निराला–रामविलास शर्मा, राजकमल प्रकाशन, नई दिल्ली
8. हिंदी साहित्य की प्रवृतियाँ–डॉ.जयकिशनप्रसाद खण्डेलवाल, विनोद पुस्तक मंदिर, आगरा
9. हिंदी साहित्य का इतिहास–डॉ.माधव सोनटक्के, विकास प्रकाशन, कानपुर
10. निराला काव्य और व्यक्तित्व–प्रो.धनंजय वर्मा, विद्याप्रकाशन मंदिर
11. हिंदी साहित्य एक सरल परिचय–डॉ.सुरैय्या शेख, लोकभारती प्रकाशन, इलाहाबाद
12. क्रांतिकारी कवि निराला–डॉ.रघुवंश, लोकभारती प्रकाशन, इलाहाबाद
13. आधुनिक कवि निराला–बच्चनसिंह, नंदकिशोर ॲन्ड सन्स, वाराणसी
14. निराला काव्य समीक्षा–पदमसिंह शर्मा, कमलेश, राजकमल प्रकाशन, दिल्ली
15. निराला की काव्य साधना–वीणा शर्मा, हिंदी साहित्य संसार, दिल्ली

PUNYASHLOK AHILYADEVI HOLKAR SOLAPUR UNIVERSITY,SOLAPUR

पुण्यश्लोक अहिल्यादेवी होळकर सोलापुर विश्वविद्यालय,सोलापुर

Name of faculty : Humanities

मानव्यविद्या (मानविकी)शाखा

CBCS Syllabus

Name of the course : M.A- I Hindi Semester II

एम.ए.भाग 1 हिंदी द्वितीय सत्र

Soft Core A (Any one) Optional Paper

SCT (A) 1.2 Vyvsayik Varg : Patrkarita

प्रश्नपत्र का नाम : व्यवसायिक वर्ग : पत्रकारिता

With effect form June 2020-21

जून 2020–21 से आरंभ

परिचय /Introduction

मुद्रण क्षेत्र में जो विकास हुआ है उसके पीछे कारण प्रेस का आविष्कार है। जिसने कम समय में मुद्रण की कई प्रतियाँ उपलब्ध करा दी। इसके कारण नये–नये समाचार पत्र निकलने लगे। हिंदी भाषा के अन्तर्गत भी कई सारी पत्र–पत्रिकाएँ निकलने लगी। मुद्रित माध्यम के साथ–साथ इलेक्ट्रॉनिक माध्यमों का भी आविष्कार हुआ। जिसमें रेडियो और दूरदर्शन प्रमुख है। इस पाठ्यक्रम में प्रिंट पत्रकारिता से लेकर रेडियो, दूरदर्शन के साथ सूचना और मानवधिकार जैसे कई बिन्दुओं पर प्रकाश डाला जाएगा।

पाठ्यक्रम के उद्देश्य /Course objectve

1. प्रिंट पत्रकारिता और मुद्रण कला के संदर्भ जानकारी देना।
2. मुक्त प्रेस, प्रसार भारती, सूचना प्रौद्योगिकी, प्रेस कानून के बारे में जानना।
3. हिंदी के प्रमुख समाचार पत्र एवं पत्रिकाओं से अवगत कराना।
4. रेडियो तथा दूरदर्शन इन माध्यमों से परिचित कराना।
5. भारतीय संविधान में प्रदत्त मौलिक अधिकार जिनमें सूचना और मानवाधिकार के बारे में अवगत कराना।

पाठ्यक्रम सीखने के परिणाम /Course Learning Outcomes

1. प्रिंट पत्रकारिता और मुद्रण कला के संदर्भ जानकारी प्राप्त करते हैं।
2. मुक्त प्रेस, प्रसार भारती, सूचना प्रौद्योगिकी, प्रेस कानून के बारे में जानते हैं।
3. हिंदी के प्रमुख समाचार पत्र एवं पत्रिकाओं से अवगत होते हैं।
4. रेडियो तथा दूरदर्शन इन माध्यमों से परिचित होते हैं।
5. भारतीय संविधान में प्रदत्त मौलिक अधिकार, सूचना और मानवाधिकार के बारे में जानते हैं।

शिक्षण अधिगम प्रकिया /Teaching Learning Process

1. कक्षा व्याख्यान
2. सामूहिक चर्चा

Name of the Course M.A. I Hindi Semester II

एम.ए.भाग 1 हिंदी द्वितीय सत्र

CBCS Pattern Paper No. SCT (A) 1.2 प्रश्नपत्र कमांक 1.2

Vyvsayik Varg : Patrkarita

प्रश्नपत्र का नाम : व्यावसायिक वर्ग : पत्रकारिता

(Credit Theory 4 Practical 0)

Total Theory Lecture 60

अंक 100 (80 UA 20 CA)

अध्यनार्थ विषय

इकाई I **Credit-1 Lecture 15**

मुद्रित माध्यम स्वरूप एवं महत्व

1. प्रिंट पत्रकारिता का उद्‌भव और विकास
2. प्रिंट पत्रकारिता और मुद्रण कला : प्रूफ शोधन, ले आऊट, पृष्ठ सज्जा
3. प्रजातान्त्रिक व्यवस्था में चतुर्थ स्तम्भ के रूप में पत्रकारिता का दायित्व

इकाई II **Credit-1 Lecture 15**

प्रेस की अवधारणा और हिंदी पत्रकारिता

1. मुक्तप्रेस की अवधारणा, प्रसार भारती तथा सूचना प्रौद्योगिकी
2. प्रेस संबंधी कानून तथा आचार संहिता
3. हिंदी के प्रमुख समाचार पत्र एवं पत्रिकाएँ

इकाई III **Credit-1 Lecture 15**

पत्रकारिता के विविध आयाम

1. पत्रकारिता का प्रबंधन 2. प्रशासनिक व्यवस्था 3. बिक्री तथा वितरण व्यवस्था
4. पत्रकारों के विभिन्न संगठन

इकाई IV **Credit-1 Lecture 15**

इलेक्ट्रानिक पत्रकारिता और सूचना अधिकार

1. रेडियो और दूरदर्शन की माध्यमगत विशेषताएँ एवं सीमाएँ
2. रेडियो तथा दूरदर्शन चैनलों का सामान्य परिचय
3. भारतीय संविधान में प्रदत्त मौलिक अधिकार सूचनाधिकार एवं मानवाधिकार

Equivalent Subject for Old Syllabus

Sr. No.	Name of the Old Paper	Name of the New Paper
1	व्यवसायिक वर्ग : पत्रकारिता	व्यवसायिक वर्ग : पत्रकारिता

संदर्भ ग्रंथ :

1. पत्रकारिता : इतिहास और प्रश्न–कृष्णबिहारी मिश्र, वाणी प्रकाशन, नई दिल्ली
2. हिंदी पत्रकारिता का बृहत इतिहास–अर्जुन तिवारी, वाणी प्रकाशन, नई दिल्ली
3. पत्रकारिता के नये परिप्रेक्ष्य–राजकिशोर, वाणी प्रकाशन, नई दिल्ली
4. समकालीन पत्रकारिता मूल्यांकन और मुद्दे–राजकिशोर, वाणी प्रकाशन, नई दिल्ली
5. हिंदी पत्रकारिता स्वरूप और संदर्भ–डॉ.विनोद गोदरे, वाणी प्रकाशन, नई दिल्ली
6. हिंदी पत्रकारिता और जनसंचार–डॉ. ठाकुरदत्त आलोक, वाणी प्रकाशन, नई दिल्ली
7. पत्रकारिता संदर्भ कोश–डॉ.सुधीद्रकुमार, डॉ.रामप्रकाश, वाणी प्रकाशन, नई दिल्ली
8. राष्ट्रीय नवजागरण और हिंदी पत्रकारिता–मीरा रानी पाल, वाणी प्रकाशन, नई दिल्ली
9 हिंदी की सर्वोदय पत्रकारिता–डॉ.मृदुला गर्ग, विद्या प्रकाशन, कानपुर
10. पत्रकारिता की विभिन्न धाराएँ–डॉ.निशांत सिंह, राधा पब्लिकेशन, नई दिल्ली
11. पत्रकारिता का विकास–एन.सी. पंत, राधाकृष्ण प्रकाशन, दिल्ली

पुण्यश्लोक अहिल्यादेवी होळकर सोलापुर विश्वविद्यालय,सोलापुर

Name of faculty : Humanities

मानव्यविद्या (मानविकी)शाखा

CBCS Syllabus

Name of the course : M.A- I Hindi Semester II

एम.ए.भाग 1 हिंदी द्वितीय सत्र

Generic Elective (Any one) Optional Paper

OET 1.1 Bhartiya Sahitya

प्रश्नपत्र का नाम : भारतीय साहित्य

With effect form June 2020-21

जून 2020–21 से आरंभ

परिचय /Introduction

भारत देश विभिन्न भाषा, लोकजीवन, संस्कृति, परिवेश भिन्नता से भरा पड़ा है। फिर भी यह भिन्नता उसको एक–दूसरे से अलग नहीं कराती बल्कि उसको एकता में बांधती है। इस देश का साहित्य एकता के गीत गाता है। भारत के हर भाषा के साहित्य का अध्ययन करें तो उसमें भारतीय अस्मिता की सुगंध आती है। इसलिए भारतीय साहित्य के अन्तर्गत भारत के कुछ प्रतिनिधिक भाषाओं के साहित्य को अध्ययन के लिए रखा गया है।

पाठ्यक्रम के उद्देश्य /Course objectve

1. भारतीय साहित्य की अवधारणा से अवगत कराना।
2. भारतीय साहित्य की विशेषताएँ एवं अध्ययन में आनेवाले समस्याओं से रू–बरू कराना।
3. भारतीय साहित्य की कुछ प्रतिनिधिक रचनाओं से अवगत कराना।
4. भारतीय संस्कृति एवं समाज जीवन से अवगत कराना।

पाठ्यक्रम सीखने के परिणाम /Course Learning Outcomes

1. भारतीय साहित्य की अवधारणा से अवगत होते हैं।
2. भारतीय साहित्य की विशेषताएँ एवं अध्ययन में आनेवाले समस्याओं से रू–बरू होते हैं।
3. भारतीय साहित्य की कुछ प्रतिनिधिक रचनाओं का अध्ययन करते हैं।
4. भारतीय संस्कृति एवं समाज जीवन को समझते हैं।

शिक्षण अधिगम प्रक्रिया /Teaching Learning Process

1. कक्षा व्याख्यान
2. सामूहिक चर्चा

Name of the Course M.A. I Hindi Semester II

एम.ए.भाग 1 हिंदी द्वितीय सत्र

CBCS Pattern Paper No. OET 1.1 प्रश्नपत्र कमांक 1.1

Bhartiya Sahitya

प्रश्नपत्र का नाम : भारतीय साहित्य

(Credit Theory 4 Practical 0)

Total Theory Lecture 60

अंक 100 (80 UA 20 CA)

पाठ्यपुस्तकें

1. हिंदू : जीने का समृद्ध कबाड़–भालचंद्र नेमाडे
   राजकमल प्रकाशन, दिल्ली
2. नागमंडल–गिरीश कर्नाड
   भारतीय ज्ञानपीठ प्रकाशन, नई दिल्ली

अध्यनार्थ विषय

इकाई I **Credit-1 Lecture 15**

भारतीय साहित्य की अवधारणा

1. भारतीय साहित्य : अर्थ, परिभाषा एवं स्वरूप
2. भारतीय साहित्य की अवधारणा
3. भारतीय साहित्य की विशेषताएँ
4. भारतीय साहित्य के अध्ययन की समस्याएँ

इकाई II **Credit-1 Lecture 15**

उपन्यास–हिंदू : जीने का समृद्ध कबाड़

1. भालचंद्र नेमाडे व्यक्तित्व और कृतित्व
2. 'हिंदू' उपन्यास की कथावस्तु
3. 'हिंदू' उपन्यास में स्त्री विमर्श
4. 'हिंदू' उपन्यास में देशकाल वातावरण

इकाई III **Credit-1 Lecture 15**

उपन्यास–हिंदू : जीने का समृद्ध कबाड़

1. 'हिंदू' उपन्यास का उद्देश्य
2. 'हिंदू' उपन्यास में सांस्कृतिक परिदृश्य
3. 'हिंदू' उपन्यास और देशीवाद
4. 'हिंदू' उपन्यास की महाकाव्यात्मकता

इकाई IV **Credit-1 Lecture 15**

नाटक –'नागमंडल'

1. गिरीश कर्नाड : व्यक्तित्व और कृतित्व
2. 'नागमंडल' की कथावस्तु
3. 'नागमंडल' में चरित्र चित्रण
4. 'नागमंडल' के संवाद एवं उद्देश्य

Equivalent Subject for Old Syllabus

Sr. No.	Name of the Old Paper	Name of the New Paper
1	–	भारतीय साहित्य

संदर्भ ग्रंथ :

1. भारतीय साहित्य–डॉ.नगेंद्र, साहित्य अकादमी, नई दिल्ली
2. भारतीय साहित्य–डॉ. मूलचन्द गौतम, राधाकृष्ण प्रकाशन, नई दिल्ली
3. भारतीय साहित्य की भूमिका–रामविलास शर्मा, राजकमल प्रकाशन, नई दिल्ली
4. मार्क्सवाद का अर्धसत्य–अनंत विजय, वाणी प्रकशन, नई दिल्ली
5. भालचंद्र नेमाडे–टीका स्वयंवर, साहित्य अकादमी, दिल्ली
6. भालचंद्र नेमाडे–सोळा भाषणे, लोकवाड़मय, मुंबई
7. भालचंद्र नेमाडे : सबकुछ, सं. ह.ल. निपुणगे, पुष्पक प्रकाशन
8. भालचंद्र नेमाडे, साहित्य, संस्कृति और भूमंडलीकरण, लोकवाड़मय गृह मुंबई
9. उदाहरणार्थ नेमाडे, डाक्यूफिक्शन
10. संस्कृति का ताना–बाना–डॉ.आभा गुप्ता ठाकुर, वाणी प्रकाशन, दिल्ली
11. रंग साक्षात्कार–जयदेव तनेजा

PUNYASHLOK AHILYADEVI HOLKAR SOLAPUR UNIVERSITY,SOLAPUR

पुण्यश्लोक अहिल्यादेवी होळकर सोलापुर विश्वविद्यालय,सोलापुर

Name of faculty : Humanities

मानव्यविद्या (मानविकी)शाखा

CBCS Syllabus

Name of the course : M.A- I Hindi Semester II

एम.ए.भाग 1 हिंदी द्वितीय सत्र

Generic Elective (Any one) Optional Paper

OET 1.2 Hindi Sahitya Aur Cinema

प्रश्नपत्र का नाम : हिंदी साहित्य और सिनेमा

With effect form June 2020-21

जून 2020–21 से आरंभ

परिचय /Introduction

साहित्य और सिनेमा का गहरा संबंध है। इसका कारण दोनों का संबंध जनता से है। सिनेमा अन्य कलाओं की तुलना में आधुनिक कला है। नवीनता होकर भी यह अत्यंत प्रभावशाली जनधर्मी कला है। इस दृष्टि से सिनेमा का समाज से वहीं रिश्ता होता है, जो साहित्य का समाज से है। संगीत, साहित्य, चित्र, शिल्प और नृत्य जैसी विभिन्न कलाओं के समन्वय तथा आधुनिक नित–नए यांत्रिक उपादानों की सहायता से निर्मित होकर सिनेमा ने अपना स्वतंत्र अस्तित्व एवं प्रभाव स्थापित किया है। सिनेमा अन्य कलाओं की तरह मनोरंजन प्रधान होने के साथ–साथ जनसंचार एवं जनशिक्षा का प्रभावशाली माध्यम रहा है। हिलते–डुलते चित्रों से आरंभ हुई सिनेमा की विकास यात्रा आज भी अनवरत जारी है। सिनेमा के विकास में साहित्य की महत्त्वपूर्ण भूमिका रही है। अनेक साहित्यिक रचनाओं ने सिनेमा के लिए कथातत्त्व दिया है। अतः साहित्य एवं सिनेमा के अंतः संबंधों को समझते हुए फिल्मांतरण हुए हिंदी साहित्य का अध्ययन आवश्यक है।

पाठ्यक्रम के उद्देश्य /Course objectve

1. हिंदी साहित्य एवं सिनेमा से छात्रों को परिचित कराना।
2. हिंदी सिनेमा के स्वरूप से छात्रों को परिचित कराना।
3. सिनेमा की निर्मिति प्रक्रिया से परिचित होना।
4. हिंदी साहित्यिक कृतियों के फिल्मांतरण की प्रक्रिया से अवगत होना।

पाठ्यक्रम सीखने के परिणाम /Course Learning Outcomes

1. हिंदी साहित्य एवं सिनेमा से छात्र परिचित होते है।
2. हिंदी सिनेमा के स्वरूप को समझते हैं।
3. सिनेमा की निर्मिति प्रक्रिया से परिचित होते हैं।
4. हिंदी साहित्यिक कृतियों के फिल्मांतरण की प्रक्रिया से अवगत होते हैं।

शिक्षण अधिगम प्रक्रिया /Teaching Learning Process

1. कक्षा व्याख्यान
2. सामूहिक चर्चा

Name of the Course M.A. I Hindi Semester II

एम.ए.भाग 1 हिंदी द्वितीय सत्र

CBCS Pattern Paper No. OET 1.2 प्रश्नपत्र कमांक 1.2

Hindi Sahitya Aur Cinema

प्रश्नपत्र का नाम : हिंदी साहित्य और सिनेमा

(Credit Theory 4 Practical 0)

Total Theory Lecture 60

अंक 100 (80 UA 20 CA)

अध्यनार्थ विषय

इकाई I **Credit-1 Lecture 15**

सिनेमा का स्वरूप

1. सिनेमा का अर्थ, परिभाषा एवं स्वरूप
2. सिनेमा के प्रकार
3. सिनेमा की निर्माण–प्रकिया

इकाई II **Credit-1 Lecture 15**

हिंदी सिनेमा का उद्‌भव और विकास

1. सिनेमा का विकासात्मक परिचय
2. सिनेमा का आरंभिक युग / मूक सिनेमा
3. सवाक् सिनेमा
4. स्वातंत्र्योत्तर सिनेमा
5. वर्तमान समय में सिनेमा

इकाई III **Credit-1 Lecture 15**

हिंदी साहित्य और सिनेमा का अंतःसंबंध

1. हिंदी कहानी साहित्य के फिल्मांतरण का संक्षिप्त परिचय
2. हिंदी उपन्यास साहित्य के फिल्मांतरण का संक्षिप्त परिचय
3. हिंदी नाटक साहित्य के फिल्मांतरण का संक्षिप्त परिचय

इकाई IV **Credit-1 Lecture 15**

फिल्मांतरीत साहित्य का मूल्यांकन

1. साहित्यिक कृतियों पर बनी फिल्मों का अध्ययन
2. तीसरी कसम–फणीश्वरनाथ रेणु, निर्देशक–बासू भट्टाचार्य
3. आषाढ का एक दिन–मोहन राकेश, निर्देशक–मणि कौल
4. सूरज का सातवॉ घोडा–धर्मवीर भारती, निर्देशक–श्याम बेनेगल

Equivalent Subject for Old Syllabus

Sr. No.	Name of the Old Paper	Name of the New Paper
1	–	हिंदी साहित्य और सिनेमा

संदर्भ ग्रंथ :

1. हिंदी सिनेमा का सफर–अनिल भार्गव
2. साहित्य, सिनेमा और समाज–पूनरचंद भार्गव
3. भारतीय सिनेमा का सफरनामा–संपा. जयसिंह
4. समय, सिनेमा और इतिहास–संजीव श्रीवास्तव
5. सिनेमा पढ़ने के तरीके–विष्णु खरे
6. हिंदी साहित्य और सिनेमा–डॉ.विवेक दुबे
7. सिनेमा और साहित्य–हरीश कुमार
8. सिनेमा कल, आज, कल–विनोद भारद्वाज
9. साहित्य और सिनेमा बदलते परिदृश्य में संभावनाएँ–डॉ.शैलजा भारद्वाज
10. सिनेमा और फिल्मांतरीत हिंदी साहित्य–डॉ.गोकुळ क्षीरसागर
11. फिल्म निर्देशन–कुलदीप सिन्हा
12. हिंदी सिनेमा का जादुई सफर–प्रताप सिंह